Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
January 2024 5(1), 1770–1776

STUDY OF THE IMPACT OF EMOTIONAL INTELLIGENCE OF TEACHERS WORKING IN HIGHER SECONDARY SCHOOLS ON THEIR OCCUPATIONAL STRESS

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का उनके व्यवसायिक तनाव पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

Santosh Sharma [1], Sangeeta Sharaf [2]

[1] Researcher, MATS School of Education, MATS University, Gullu, Arang, (CG)
[2] Professor, Research Director, MATS School of Education, MATS University, Gullu, Arang, (CG)

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i1.2024.4426

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: Education is very important for humans. Education is necessary for the development and progress of humans. Through education, a person's attitude changes and personality develops. But human emotions interfere with his work, behavior and education and do not allow us to take the right decision. Whereas emotional intelligence is that understanding which helps us to work well by thinking in every field of life. The proposed research problem is to study the impact of emotional intelligence of teachers working in higher secondary schools on their occupational stress. The need and importance of research in this is profound. How do teachers working in higher secondary schools adjust their occupational stress using their emotional intelligence and how do they control their emotions in the most difficult situations and find a solution to the problem through their emotional intelligence.

Hindi: शिक्षा मनुष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मनुष्य के विकास एवं उन्नयन के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति के अभिवृत्ति में परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का विकास होता है। किन्तु मनुष्य की भावनाएं उसके काम, व्यवहार और व्यवहार शिक्षा में हस्तक्षेप करती हैं तथा हमें सही निर्णय नहीं लेने देती। जबकी संवेगात्मक बुद्धि वह समझ है जो हमें जीवन के हर क्षेत्र में सोच समझ कर भली भंाति कार्य करने में मदद करती है। प्रस्तावित शोध समस्या जो की उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का उनके व्यवसायिक तनाव पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, इसमें शोध की आवश्यकता एवं महत्व गहन रूप से है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक अपनी संवेगात्मक बुद्धि का उपयोग करके किस प्रकार अपने व्यवसायिक तनाव को समायोजित करते हैं व अपनी संवेगात्मक बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन परिस्थितियों में अपने संवेग को नियंत्रित करते हैं और समस्या का हल ढूॅढ़ लेते हैं।

Keywords: Higher Secondary School, Emotional Intelligence, Occupational Stress
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, संवेगात्मक बुद्धि, व्यवसायिक तनाव

1. प्रस्तावना

शिक्षा व्यक्ति समाज और राष्ट्र की प्रगति के साथ साथ सभ्यता और संस्कृति के विकास के लिए आवश्यक है। सुभाषित रत्न दोष में कहा गया है कि ज्ञान मनुष्य का तीसरा नेत्र है जो उसकी दृष्टि है। यह सभी तत्वों की जड़ को जानने मे मदद करता है और यह काम करने की विधी बताता है। इसी क्रम में शिक्षा वह महत्वपूर्ण बिन्दु होता है जो विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचने में उनकी मदद करता है। किन्तु ज्ञान प्रदान करने के इस क्रम में कभी कभी शिक्षक भी हताश और निराश होता है। इस कारण शिक्षक की कार्यक्षमता पर प्रभाव पडता है एवं उसे समायोजन में कठिनाई होती है। इसमें एक कड़ी संावेगिक बुद्धि है जो संवेग का अभिज्ञान तथा संवेगो को व्यवस्थित करती है। यह व्यक्तिगत कुशलता है जो भिन्न भिन्न व्यक्तियों में व्यक्ति के सामाजिक समायोजन को प्रभावित करती है। इस प्रकार संवेगात्मक बुद्धि एक आंतरिक योग्यता होती है। जिसके द्वारा व्यक्ति में संवेगों को महसूस करने समझने एवं उनका प्रभावपूर्ण नियंत्रण करने की क्षमता का विकास होता है।

इस क्रम मे व्यवसायिक तनाव भी व्यक्ति के प्रत्यक्ष योग्यता से अधिक कार्य करने की मांग करता है। जब व्यक्ति कार्य को अच्छी तरह से करने के लिए तैयार न हो तब दबाव होता है अध्यापक के इस दबाव को नकारात्मक संवेग जैसे कोध, चिंता, तनाव, न्यूनता, निराशा आदि के अनुभव के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

जब मनुष्य के सामने कोई कार्य प्रस्तुत होता है तो वह उसे हल करने के विभिन्न तौर तरीकों पर विचार करता है तथा उसे उनमें से किसी एक सर्वश्रेष्ठ तरीके को चुनना होता है। जो उसके कार्य को सरलता एवं सुगमता से सम्पादित कर सके। इस निर्धारण के लिए व्यक्ति को स्वःविवेक एवं चिंतन की आवश्यकता होती है। इस प्रक्रिया में वह तर्क का सहारा लेता है। तथा किसी विशेष तरीके के पक्ष में तर्क देते हुए बाकी को छोड़ने पर विचार करता है। यहीं पर उसकी मानसिक योग्यता की परख होती है। यदि उसके अपनाये हुए तरीकों से कार्य बिना किसी बाधा के सम्पादित होता है तो उसे तर्क की कसौटी पर खरा उतरा हुआ मानते है तथा उसकी मानसिक योग्यता उच्च स्तर की होती है।

2. संवेगात्मक बुद्धि

सामान्यतया व्यक्ति की सफलता के पीछे उसकी बुद्धि का महत्वपूर्ण स्थान होता है। मनोवैज्ञानिकों ने अब तक बुद्धि के ज्ञानात्मक पक्ष पर ही अधिक ध्यान दिया इसका मापन करने के लिए बुद्धिलब्धि (पु) का प्रयोग किया गया। परन्तु वर्तमान में नवीन शोधों के परिणामों द्वारा मनोवैज्ञानिक इस बात पर सहमत हुए है कि वास्तिविक जीवन में व्यक्ति की सफलता की भविष्यवाणी के लिए बुद्धि के केवल ज्ञानात्मक पक्ष को ही आधार नहीं बनाया जा सकता क्योंकी व्यक्ति के जीवन में ऐसे कई उदारण मिलते है जो इंगित करते है कि अधिक बुद्धिलब्धि वाले व्यक्ति भी अपने जीवन में कुछ उपब्लिधियां पाने में असफल हो जाते है और कम बुद्धिलब्धि वाले व्यक्ति कई कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न कर लेते है। वर्तमान समय में नवीन शोंधों द्वारा मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्ति की सफलता की भविष्यवाणी करने के लिए जिस आधारभूत तथ्य को प्रकट किया वह है संवेगात्मक बुद्धि ।

अतः संवेगात्मक बुद्धि वह क्षमता होती है। जिसके द्वारा व्यक्ति अपने संवेगों को पहचानता हैं। संवेगों का उचित प्रकटीकरण करता है तथा दूसरों के संवेगो समझकर उसके सामने वैसा ही व्यवहार करता है। संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य व्यक्ति की अपनी भावनाओं तथा दूसरों की भावनाओं की पहचान कर सकने की क्षमता से है जिसकी सहायता से वह अपने को अभिपे्ररित कर सके और अपने अन्दर पाए जाने वाले संवेगों एवं उनके आधार पर बने सम्बन्धो को ठीक से व्यवस्थित कर सके।

3. व्यवसायिक तनाव

व्यवसायिक तनाव एक सम्बन्धित बहुयामी परिणाम है जो कि तब उत्पन्न होता है जब परिस्थिति की मांग व्यक्ति की क्षमता से अधिक होती है और ऐसे में वे प्रतिक्रिया करतें हे। इस प्रकिया में उनकी शारीरिक संज्ञानात्मक व व्यवहारिक कार्यप्रणाली सम्मिलित होती है। या हम यह भी कह सकते है कि कीसी की नौकरी से संबंधित मनोवैज्ञानिक तनाव है। कार्यस्थल पर तनावपूर्ण स्थितियां क्या है, यह समझकर और उन स्थितियों को दूर करने के लिए कदम उठाकर व्यावसायिक तनाव को प्रबंधित किया जा सकता है। व्यावसायिक तनाव तब हो सकता है जब श्रमिकों को पर्यवेक्षकों या सहकर्मियों द्वारा समर्थन महसूस नहीं होता है उन्हे यह महसूस होता है कि उनके द्वारा किये जाने वाले कार्य पर उनका बहुत कम नियंत्रण है। व्यवसायिक तनाव व्यापारियों, कर्मचारियों, और नियोक्ताओं इन सभी के लिए चिंता का विषय है। क्योंकी तनाव पूर्ण नौकरी के वातावरण में कर्मचारियों के शारिरिक स्वास्थ एवं उनकी भावनाओं पर गहरा असर करता है।

4. संबंधित शोध अध्ययन

1) **डॉ. सप्रे मिनी (2017)** ने अपने शोध कार्य में यह पाया कि इमोशनल इंटेलीजेंट का चिंता, तनाव और उदासी के साथ नकारात्मक संबंध है।
2) **युसुफ, एच. टी. , युसुफ, ए., गंबरी, ए. आई. (2015)** ने छात्र-अध्यापकों के संवेगात्मक बुध्दि लब्धि गुणांक का उनकी भविष्य उत्पादकता के प्रभाव का अध्ययन किया। उन्होने पाया कि महिलाओं और पुरूषों के संवेगात्मक बुध्दि गुणांक में सार्थक अंतर हैं। खोज ने खुलासा किया कि एक भावानात्मक रूप से बुध्दिमान छात्र- अध्यापक अधिक सफलता प्राप्त करने वाला होता है।
3) **द ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टीचर्स (1971)** ने अपने अध्ययन में दक्षिण ऑस्ट्रेलियन में शिक्षकों के बीच शिक्षण और असंतोष का कारण बनने वाले कारकों का संकेत दिया है कि समय की कमी या तो नौकरी में कमी या नौकरी में असंतोष और 75.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं के नकारात्मक समुदाय के व्यवहार को भी शिक्षक के तनाव के कारण के रूप में पहचाने गए थे।
4) **स्लाकी और कार्टराइट (2002)** ने पाया की उच्च ईआई वाले प्रबंधको को कम व्यक्तिपरक तनाव का सामना करना पड़ा, बेहतर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण था, और उच्च भूमिका में नौकरी के प्रदर्शन का प्रदर्शन किया। ईआई के मुख्य पहलु तनावपूर्ण वातावरण में लचीलापन और अनुकूलन क्षमता से संबंधित हो सकते हैं। जिसमें बदलती परिस्थीतियों के साथ अनुकूल रूप से निपटने की क्षमता शामिल है।

5. शोध उद्देश्य

हम किसी भी कार्य को कोई ना कोई उदेश्य लेकर ही पूर्ण करते है। बिना उदेश्य के कोई भी कार्य अर्थहीन होता है। इसी तरह शोधकर्ता के लिए शोध कार्य पूर्ण करने हेतु अध्ययन का उदेश्य जानना आवश्यक होता है।

1) उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुध्द्धि तथा व्यवसायिक तनाव का सहसंबंधात्मक आंकलन करना।
2) शाला की शहरी-ग्रामीण क्षेत्र में संस्थिति, लिंग, एवं संवेगात्मक बुद्वि का उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव पर पड़ने वाले संयुक्त प्रभाव का आंकलन करना।

6. परिकल्पना

शोध कार्य में परिकल्पना की रचना अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। परिकल्पना की सहायता से शोधकर्ता को तर्कसंगत आकंड़ो के संकलन में सही दिशा मिलती हैं।

परिकल्पना क्रमांक भH_{01}- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुध्द्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे।

परिकल्पना क्रमांक H_{02}-शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुध्द्धि तथा व्यवसायिक तनाव का सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे।

परिकल्पना क्रमांक H_{03}-ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्वि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे।

विधि

प्रस्तुत शोध की समस्या को ध्यान में रखकर सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप मेें प्रयुक्त किया जाएगा। क्योंकी इसके प्रतिदर्श पूरे समष्टि में बिखरे हुए है।

न्यादर्श

न्यादर्श रिसर्च कार्य की आधार शिला है। यह आधार शिला जितनी सुदृढ़ होगी अनुसंधानके परिणाम उतने ही विश्वनीयता एवं परिशुद्वता पूर्ण होगें।

प्रस्तुत शोध में गरियाबन्द जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कार्यरत कुल 500 शिक्षकों को यादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्श हेतू चयन किया जाएगा।

उपकरण

उपरोक्त दिए गए समस्या के समाधान हेतु निम्न शोध उपकरण का प्रयोग करेंगे।

क्र.	उपकरण	मापनी
1	संवेगात्मक बुध्द्धी मापनी	डॉ. शुभ्रा मंगल द्वारा निर्मित
2	व्यवसायिक तनाव मापनी	एस.शर्मा एवं एस कौर द्वारा निर्मित

7. सांख्यिकीय अभिप्रयोग

अध्ययन के लिये बनायी गयी परिकल्पना भ्01 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं हांेगे । इस परिकल्पना का सत्यापन करने के लिये सहसंबंध गुणांक निकाला गया जिसकी गणना पियरसन के सूत्र से की गयी । आंकड़ों को अधिक विश्लेषित करने हेतु निर्धारण गुणांक की गणना संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव के बीच एक्सेल में प्रकीर्ण आरेख तथा ट्रेंडरेखा से की गयी है । इसके परिणाम तालिका में दिये गये हैं ।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यवसायिक तनाव के बीच सहसंबंध गुणांक की गणना

चर	शिक्षकों की संख्या	‘r’

संवेगात्मक बुद्धि	500	- 0.588**
व्यवसायिक तनाव	500	

r(df=498) at .08 level 0.07 and 0.11 at .01 level

-0.588 का पियर्सन सहसंबंध गुणांक जैसा कि तालिका 4.10 में दिया है, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि और व्यवसायिक तनाव के बीच एक उल्लेखनीय और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध बताता है । यह सहसंबंध गुणांक बताता है कि जैसे-जैसे संवेगात्मक बुद्धि पर स्कोर बढ़ता है, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्य कर रहे शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव भी कम होता है जिसकी विश्वसनीयता 0.01 के स्तर पर सांख्यिकी रूप से सिद्ध होती है ।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यवसायिक तनाव के बीच निर्धारण गुणांक का आंकलन

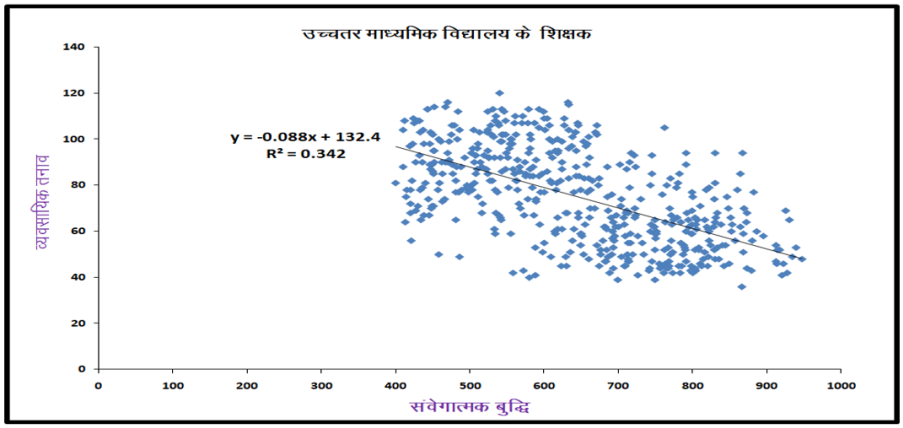

आरेख से निकाले गये निर्धारण गुणांक (R^2) का मान 0.342 है जो दर्शाता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव में लगभग 34.2% परिवर्तनशीलता को उनकी संवेगात्मक बुद्धि में परिवर्तन से समझाया जा सकता है।

अतः संवेगात्मक बुद्धि में वृद्धि से उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव भी कम होता है । इस परिणाम कें परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना H_{01} उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे, अमान्य की जाती है ।

अध्ययन के लिये बनायी गयी परिकल्पना भ्02 शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे। इस परिकल्पना का सत्यापन करने के लिये सहसंबंध गुणांक निकाला गया जिसकी गणना पियरसन के सूत्र से की गयी । आंकड़ों को अधिक विश्लेषित करने हेतु निर्धारण गुणांक की गणना संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव के बीच एक्सेल में प्रकीर्ण आरेख तथा ट्रेंडरेखा से की गयी है । इसके परिणाम तालिका में दिये गये हैं ।

तालिका क्रमांक

शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यवसायिक तनाव के बीच सहसंबंध गुणांक की गणना

चर	' शहरी क्षेत्र के शिक्षकों की संख्या	'r'
संवेगात्मक बुद्धि	250	-0.571**
व्यवसायिक तनाव	250	

r(df=248) at .12 level 0.07 and 0.16 at .01 level

पियर्सन सहसंबंध गुणांक -0.571 जैसा कि तालिका 4.11 में दिया है, शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि और व्यवसायिक तनाव के बीच एक उल्लेखनीय और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध बताता है । यह सहसंबंध

गुणांक बताता है कि जैसे-जैसे संवेगात्मक बुद्धि पर स्कोर बढ़ता है, शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्य कर रहे शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव भी कम होता है जिसकी विश्वसनीयता 0.01 के स्तर पर सांख्यिकी रूप से सिद्ध होती है ।

8. आरेख

शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यवसायिक तनाव के बीच निर्धारण गुणांक का आंकलन

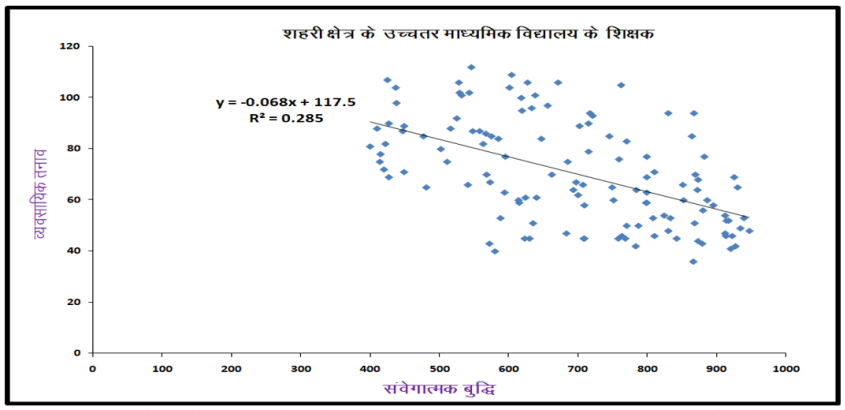

आरेख से निकाले गये निर्धारण गुणांक (R^2) का मान 0.285 है जो दर्शाता है कि शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव में लगभग 28.5% परिवर्तनशीलता को उनकी संवेगात्मक बुद्धि में परिवर्तन से समझाया जा सकता है ।

अतः संवेगात्मक बुद्धि में वृद्धि से शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव भी कम होता है । इस परिणाम कें परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना H_{02} शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे, अमान्य की जाती है ।

अध्ययन के लिये बनायी गयी परिकल्पना H_{03} ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे । इस परिकल्पना का सत्यापन करने के लिये सहसंबंध गुणांक निकाला गया जिसकी गणना पियरसन के सूत्र से की गयी । आंकड़ों को अधिक विश्लेषित करने हेतु निर्धारण गुणांक की गणना संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव के बीच एक्सेल में प्रकीर्ण आरेख तथा ट्रेंडरेखा से की गयी है । परिणाम तालिका में दिये गये हैं ।

तालिका

ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यवसायिक तनाव के बीच सहसंबंध गुणांक की गणना

चर	ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की संख्या	'r'
संवेगात्मक बुद्धि	250	- 0.592**
व्यवसायिक तनाव	250	

पियर्सन सहसंबंध गुणांक -0.592 जैसा कि तालिका 4.12 में दिया है, ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि और व्यवसायिक तनाव के बीच एक उल्लेखनीय और सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध बताता है । यह सहसंबंध गुणांक बताता है कि जैसे-जैसे संवेगात्मक बुद्धि पर स्कोर बढ़ता है, ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्य कर रहे शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव भी कम होता है जिसकी विश्वसनीयता 0.01 के स्तर पर सांख्यिकी रूप से सिद्ध होती है ।

आरेख

ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यवसायिक तनाव के बीच निर्धारण गुणांक का आंकलन

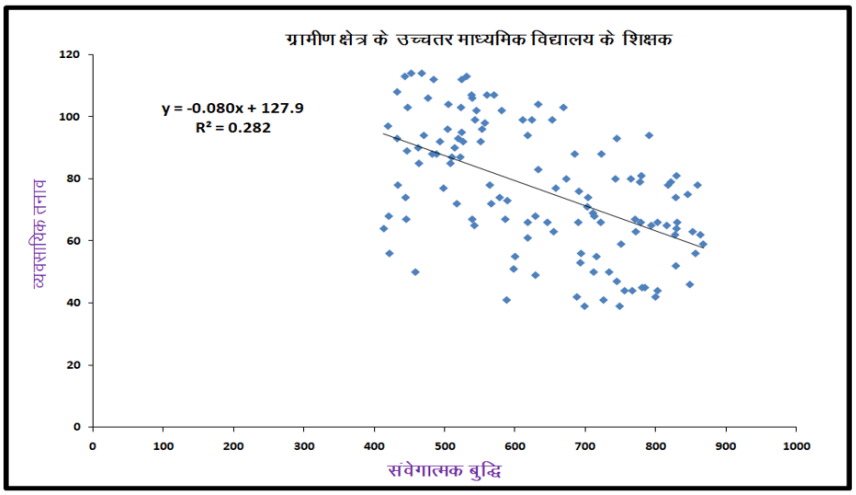

आरेख से निकाले गये निर्धारण गुणांक (R^2) का मान 0.282 है जो दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के व्यवसायिक तनाव में लगभग 28.2% परिवर्तनशीलता को उनकी संवेगात्मक बुद्धि में परिवर्तन से समझाया जा सकता है । अतः संवेगात्मक बुद्धि में वृद्धि से ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में व्यवसायिक तनाव भी कम होता है । इस परिणाम के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना H_{03} ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यवसायिक तनाव सार्थक रूप से सहसंबंधित नहीं होंगे, अमान्य की जाती है ।

9. निष्कर्ष

1) उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि उनमें विद्यमान व्यवसायिक तनाव को कम करने में मुख्य भूमिका निभाती है ।
2) शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि उनमें विद्यमान व्यवसायिक तनाव को कम करने में मुख्य भूमिका निभाती है ।
3) उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष तथा महिला शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि उनमें विद्यमान व्यवसायिक तनाव को कम करने में मुख्य भूमिका निभाती है ।

परिणाम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिये संवेगात्मक बुद्धि के महत्व को रेखांकित करते हैं क्योंकि उच्चतर माध्यमिक शाला के गतिशील एवं चुनौतीपूर्ण वातावरण में अनुकूलन करने तथा निरंतर अपने शिक्षण कौशल को विकसित करने तथा विद्यमान व्यवसायिक तनाव को कम करने में संवेगात्मक बुद्धि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

10. सुझाव

1) शैक्षणिक संस्थानों तथा नीति निर्माताओं को उच्चतर माध्यमिक शालाओं में कार्य रहे शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के विकास के लिये विभिन्न कार्यक्रम तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए जिससे कि उनमें न केवल बेहतर समायोजन क्षमता का विकास हो सके वरन् प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले व्यवसायिक तनाव का भी उचित प्रबंधन हो सके ।
2) चूंकि शिक्षक छात्रों के सीखने के अनुभवों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इसलिए टीचर-ट्रेनिंग कार्यक्रम में उनकी संवेगात्मक बुद्धि के विकास को प्राथमिकता देने से अधिक लचीला और अनुकूल शिक्षण कार्यबल का निर्माण हो सकता है जिससे अंततः शिक्षक एवं शैक्षिक समुदाय को अधिकाधिक लाभ मिल सके।

संन्दर्भ ग्रंन्थ सूची

कपिल डां एच के 2007 अनुसंधान विधिंया भार्गव बुक हाउस आगरा।
पाठक पी डी 1982-83 शिक्षा मनोविज्ञान 13 संस्करण विनोद पुस्तक मंदिर आगरा मेरठ प्रकाशन
पचैरी डां गिरीश उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक प्रथम संस्करण 2009 इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस मेरठ.

भटनागर सुरेश 2007 शिक्षा मनोविज्ञान मेरठ प्रकाशन
मंगल एस. के. 2010 शिक्षा मनोविज्ञान अशोक के घोष प्रेंटिस हाल ऑफ़ इंडिया प्रायवेट लिमिटेड न्यू दिल्ली.
शर्मा डॉ. आर. ए. 2011 शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रकिया आर. लाल बुक डिपो मेरठ
सक्सेना एन. आर. स्वरूप 2011 शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत आर. लाल बुक डिपो मेरठ
पाण्डेय डॉ. राम शक्ल 1996 शिक्षा का अर्थ, शिक्षा का उदेश्य विनोद पुस्तक मंदिर आगरा-2
प्राथमिक शिक्षा 2003 मार्च
रिसर्च डाइजेस्ट, बाह्यूम-2, अक्टूबर-दिसम्बर 2008
राय पारसनाथ 1999 अनुसंधान परिचय लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
रिसर्च डाइजेस्ट, अपैल-जून 2008 वाहयूम-1 इशू-4
शर्मा आर. 2009 परिकल्पनाओं का प्रतिपादन, शिक्षा अनुसंधान मेरठ आर. लाल बुक डिपो
शर्मा आर. 2009 अनुसंधान परिचय लाल बुक डिपो
श्रीवास्तव डी.एन. चर एवं उनका नियंत्रण मनोवैज्ञानिक अनुसंधान एवं मापन विनोद पुस्तक मंदिर आगरा-2
श्रीवास्तव डी.एन सांख्यिकीय गणना मनोवैज्ञानिक अनुसंधान एवं मापन विनोद पुस्तक मंदिर आगरा-2